S - VI
Commu. Psy
DSE - IV

सामुदायिक मनोविज्ञान के मूल तत्व

PRINCIPLES OF COMMUNITY PSYCHOLOGY

सामुदायिक मनोविज्ञान व्यक्ति पर्यावरण की बातचीत से संबंधित मनोविज्ञान की शाखा है और जिस तरह से समाज व्यक्तिगत और सामुदायिक कामकाज को प्रभावित करता है। सामुदायिक मनोविज्ञान सामाजिक मुद्दों सामाजिक संस्थानों और अन्य सेटिंग पर केन्द्रीत है जो व्यक्तियों समूहो और संगठनों को प्रभावित करते है। एक विज्ञान के रूप मे सामुदायिक मनोविज्ञान पर्यावरणीय परिस्थितियों और एक समुदाय के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य और भलाई के विकास के बीच संबंधो को समझना चाहता है। सामुदायिक मनोविज्ञान का अभ्यास मनोवैज्ञानिक क्षमता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के तरीकों के डिजाइन और मूल्यांकन के लिए निर्देशित है। दूसरे शब्दों मे कहा जा सकता है कि सामुदायिक मनोविज्ञान मे व्यक्तियो के व्यवहार एवं सामाजिक वातावरण के संबंधों का अध्ययन किया जाता है समुदाय मनोविज्ञान के क्षेत्र मे मनोवैज्ञानिकों का यह दृढ विश्वास होता है कि मानव व्यवहार को पूर्ण रूप से समझने के लिए उसकी सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमी को समझना आवश्यक है। इस मनोविज्ञान मे मानव समस्याओं के प्रति रोधात्मक दृष्टिकोण न कि रोगहार दृष्टिकोण अपनाया जाता है। इसे परिभाषित करते हुए निटजिल Neitzel, बर्नस्टीन Bernstein & मिलिक Milick 1994 ने बताया कि - सामुदायिक मनोविज्ञान वह विज्ञान है जो मनोवैज्ञानिक नियमों का उपयोग (i) वैयक्तिक और सामाजिक समस्याओं को समझने मे (ii) व्यवहार परक विकृति को रोकने मे (iii) स्थायी सामाजिक परिवर्तन करने मे करता है।

स्पष्ट है कि सामुदायिक मनोविज्ञान मे व्यक्तियों के व्यवहारो एवं उनकी समस्याओं को उनके सामाजिक संदर्भ मे न सिर्फ समझने की कोशीश की जाती है बल्कि उनके उपचार पर भी नैदानिक मनोवैज्ञानिकों से अलग बल दिया जाता है यहां वैयक्तिक समस्याओं को नही बल्कि मनोवैज्ञानिक समस्याओं को समझने मे मनोवैज्ञानिक विचारों एवं सिद्धांतों का उपयोग किया जाता है। इन उपयोग से ऐसा वातावरण तैयार करने की कोशीश की जाती है जिसमे रहने वाले की

Scanned with CamScanner

समस्या सुलझी रहे। इसप्रकार यह विज्ञान व्यक्तियों को अपने समाज या समुदाय की समस्याओं से मुक्त करके उसके साथ अच्छा समायोजन करने में व्यक्ति को मदद करता है।

सामुदायिक मनोविज्ञान के स्वरूप की व्याख्या में वे तथ्य भी काफी सहायक होते हैं जिससे अधिकतर मनोवैज्ञानिक सहमत होते हैं ऐसे ही तथ्यों या कुछ तत्वों से यह पता चलता है कि सामुदायिक मनोविज्ञान किन-2 क्षेत्रों में सक्रिय है। इसके कुछ प्रमुख मूल तत्व निम्न लिखित हैं—

1. सामाजिक पर्यावरणीय कारक द्वारा व्यक्ति के व्यवहारों में आंतरिक कारकों जैसे - संघर्ष, प्रेरणा, इच्छा आदि की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है परिवर्तन आते हैं। यहा सांस्कृतिक सापेक्षता पर अधिक बल डाला गया है यानि यहां व्यवहार को सामाजिक सांस्कृतिक कारकों की पृष्ठभूमी में समझने की ही कोशीश की जाती है।

2. सामाजिक एव सामुदायिक हस्तक्षेप की विधीयो से सामाजिक संस्थान स्कूल क्लब फैक्ट्री परिवार आदि स्वास्थ उन्मुखी होते हैं और तनाव को कम करनेवाले होते हैं।

3. यहा सामाजिक और सामुदायिक हस्तक्षेप का उद्देश्य संवेगिक विकृतियो की रोकथाम है उपचार नही एसे हस्तक्षेप का केन्द्र बिन्दु कोई व्यक्ति नही बल्कि पूरा समुदाय होता है।

4. यहां हस्तक्षेप का उद्देश्य सामाजिक क्षमता को बढ़ावा देना होता है मनोवैज्ञानिक तनाव को कम करना नही

5- यहा मनोवैज्ञानिक यह पूरी कोशीश करते है कि व्यक्तियों को व्यक्तियों को अपनी समस्याओं से छुटकारा दिलाने के लिए किसी विशेष संस्थान जैसे मानसिक अस्पताल या उपचार गृह का उपयोग न करके उसके वास्तविक समुदाय या समूह का ही उपयोग किया जाता है।

6. सामुदायिक चिकित्सक रोगियों को अपने यहा आने का इंतजार न करके स्वयं उनके परिवार या समुदाय मे पहुंच जाते हैं और उन्हे उसी समुदाय मे रखकर उसकी समस्या समाधान की कोशीश करते हैं। ऐसा वातावरण मददगार

तथा मदद प्राप्तकर्ता के बीच की दूरी को कम कर देता है।

7. प्राप्त साधनो एवं स्त्रोतों का पूर्ण उपयोग करने के लिए सामुदायिक मनोवैज्ञानिक कुछ पेशेवर व्यक्तियों जो इस क्षेत्र मे निपुण होते है कि सहायता लेने मे हिचकते नही है।

8. सामुदायिक मनोवैज्ञानिक पौराणिक भूमिकाए एवं चिकित्सकीय विधियो को अधिक महत्व नही देते है और उसकी जगह पर नयी भूमिकाओं कार्यक्रमों एवं माडलों को अपनाने पर बल देते है।

9. पूरे समुदाय को उन कार्यक्रमों मे हाथ बंटाना चाहीए जिनसे उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति होती है।

10. सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का संबंध कुछ खास-२ ~~समस्याओं~~ समस्याओं से नही वरन विस्तृत स्वरूप की सामाजिक समस्याओं जैसे - नौकरी, शिक्षा, आवासीय ~~समस्याओं~~ समस्याओं से संबंधित नही होना चाहीए।

11. मनोसामाजिक समस्याओं एवं उनसे निबटने के प्राप्त साधनो के बारे मे जनता को प्रशिक्षित करने के कार्य को सामुदायिक मनोविज्ञान मे एक महत्वपूर्ण कार्य समझा जाता है।

12. चूकी अधिकतर सामाजिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों का संबंध ऐसे सामाजिक तनाव से होता है जो बड़े पैमाने पर अपना प्रभाव डालते है (जैसे- गरीबी, बेकारी आदि) अतः सामुदायिक मनोवैज्ञानिक प्रायः सामाजिक सुधार की ओर उन्मुखी होते है।

13. सामाजिक हस्तक्षेप के बारे मे पर्याप्त ज्ञान विकसित करने के लिए सामुदायिक मनोवैज्ञानिक स्वभाविक एवं पारिस्थितिक शोधों को अपनाते है।

इस प्रकार स्पष्ट हो जाता है कि सामुदायिक मनोविज्ञान के कई मूल तत्व है जिनपर मनोवैज्ञानिकों ने काफी गंभीरता पूर्वक विचार किया है जो ऊपर वर्णित है।

06/05/2020